>

Title: Regarding deteriorating law and order situation in the country.

श्री जगदम्बिका पाल (डुमरियागंज): सभापति महोदय, मैं आपका बहुत आभारी हूं कि आपने एक अत्यंत महत्वपूर्ण और लोक महत्व के सुनिश्चित प्रश्न पर इस सदन में इस विÂाय को शून्य प्रहर में उठाने की अनुमति दी। आप अवगत हैं कि इस संसदीय परम्परा में आज देश की प्रजातंत्र को चलाने के लिए तीन महतवपूर्ण इकाइयां हैं - विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका। विधायिका के माध्यम से हम जो भी निर्णय करते हैं, निश्चय करते हैं, कानून बनाते हैं या जनता के हितों के हक-हुकूक की हिफाजत के लिए कल्याणकारी योजनाओं की संरचना करते हैं, उसे कार्यपालिका अपनी प्रतिबद्धता के साथ लागू करती है। लेकिन आज दुखद और दुर्भाग्य है कि राज्यों में सरकार को जिस तरीके से रक्षक का कार्य करना चाहिए, अगर वह राज्य सरकारें रक्षा करने के बजाए खुद उन लोगों को संरक्षण देने का काम करें जो अवैध खनन में लिप्त हों या राज्य की सम्पदा का दोहन अवैध रूप से कर रहे हों, उसमें कोई अधिकारी अपनी कर्तव्यपरायणता से उस अवैध खनन को रोकने का प्रयास करे, हम अभी भी कर्नाटक की उस घटना को नहीं भूले हैं, आज भी उस घटना की याद हमारे दिलों में ताजा है। यह दुखद है कि मध्य प्रदेश में उस घटना की पुनरावृति हुई। ठीक होली के दिन मथुरा, उत्तर प्रदेश के रहने वाले आईपीएस अधिकारी, जिनकी नियुक्ति मध्य प्रदेश में उस सब-डिवीजन में मात्र 45 दिन पहले हुई, उनकी पत्नी मेटरनिटी लीव पर हैं। वह अपने बच्चे का मुंह तक न देख सका। होली के दिन...(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: Please mention about what you want.

श्री जगदम्बिका पाल : मैं कहना चाहता हूं कि जिस तरीके से वहां की सरकार और सरकार से जुड़े हुए विधायक के संरक्षण में अवैध खनन चल रहा है, उसमें एक आईपीएस अधिकारी को अपने प्राणों की आहूति देनी पड़ी। ...(व्यवधान) उसे बचाने का प्रयास किया गया। पहले कहा गया कि न्यायिक जांच होगी। जब पूरी मध्य प्रदेश कांग्रेस ने बंद का आह्वान किया, सदन में बातें चलीं ...(व्यवधान) लेकिन इसके बावजूद उनकी पत्नी आज भी कहती हैं कि कोई ईमानदार अधिकारी मध्य प्रदेश सरकार में सुरक्षित नहीं है। आज वे वहां रहना नहीं चाहतीं। निश्चित तौर से भारतीय प्रशासनिक सेवाओं के अधिकारियों की रक्षा करने का काम केन्द्र सरकार का है।...(व्यवधान) श्रीमती मधुरानी तेवतिया आज भी अपने को इनसिक्योर फील कर रही हैं। ...(व्यवधान) वे अपने को असुरक्षित फील कर रही हैं।...(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: Nothing will go on record.

(Interruptions) â€¦

MR. CHAIRMAN: Please take your seat, Shri Jagdambika Pal. Nothing will go on record. Shri K.P. Dhanapalan, you may please continue.

(Interruptions) â€¦

MR. CHAIRMAN: Nothing will go on record.

*(Interruptions) â€¦ *